सुस्त रफ्तार

निवास के महरासिवनी में एक किमी दूर से ला रहे पानी, घुघरी के नैझर और बिजोरा में अधूरी पड़ीं योजनाएं

पाइप बिछे पर सूखे हैं नल, ग्रामीण बूंद-बूंद को तरसे

घुघरी/निवास, नवभारत। जिले के ग्रामीण अंचलों में भीषण गर्मी की आहट से पहले ही पेयजल संकट गहराने लगा है। निवास और घुघरी जनपद के कई गाँवों में करोड़ों की लागत से शुरू हुई नल-जल योजनाएं कागजों और पाइपों तक ही सिमट कर रह गई हैं, जिससे ग्रामीण मटमैला पानी पीने को मजबूर हैं।

निवास विकासखंड के ग्राम मेहरासिवनी के वार्ड नंबर 8 में हालात बदतर हैं। यहाँ पाइपलाइन तो बिछ गई है, लेकिन ट्यूबवेल न होने के कारण योजना शोपीस बनी हुई है। वार्डवासी एक किलोमीटर दूर जाकर कुंआ और झिरिया से पानी ला रहे हैं। वहीं झिरिया का मटमैला पानी छानकर पीने से क्षेत्र में जलजनित बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने विभाग से तत्काल ट्यूबवेल खनन की मांग की है।

तीन साल बाद भी अधूरी है योजना

घुघरी जनपद की ग्राम पंचायत नैझर में तीन साल पूर्व पानी की टंकी तो बन गई, लेकिन पाइपलाइन का जाल आज भी अधूरा है। ग्रामीण बताते हैं कि पोषक ग्राम पीपरदौन में उपलब्ध बोर से टंकी भरने की योजना थी, लेकिन वहाँ के लोग पानी साझा करने से मना कर रहे हैं। जल स्रोत न होने से नैझर की बड़ी आबादी जल संकट से जूझ रही है।

कार्य अधूरा छोड़कर भागा ठेकेदार

घुघरी की पाटन पंचायत अंतर्गत ग्राम बिजोरा में भी लापरवाही का आलम है। यहाँ नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का काम बीच में ही छोड़ दिया गया है। ग्रामीणों को 2 किलोमीटर दूर नाले और कुओं से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है।

रसोइयों ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

चार हजार रसोइयों ने खोला मोर्चा, कलेक्टर को सौंपा 6 सूत्रीय मांग पत्र

बीजाडांडी। जिले के शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने वाले रसोइयों की स्थानीय समस्याएं अब विकराल रूप ले चुकी हैं। अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के निराकरण के लिए रसोइयों ने कलेक्टर के नाम एक ध्यानाकर्षण आवेदन प्रस्तुत किया है। रसोइयों का कहना है कि बार-बार निवेदन के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है, जिससे जिले के लगभग चार हजार रसोईये प्रभावित हो रहे हैं।

रसोइयों ने अपने आवेदन में प्रशासन के समक्ष छह प्रमुख बिंदु रखते हुए मांग की है कि कम दर्ज संख्या या अन्य तकनीकी कारणों का हवाला देकर वर्षों से सेवा दे रहे रसोइयों को काम से अलग न किया जाए। रसोइयों का मानदेय अक्सर कई महीनों तक लंबित रहता है। मांग की गई है कि हर महीने की 10 तारीख तक उनके बैंक खातों में भुगतान सुनिश्चित हो। वहीं कुछ संस्था प्रधानों द्वारा मध्याह्न भोजन के अलावा अन्य निजी या स्कूल के कार्य कराने का दबाव बनाया जाता है, जिस पर तत्काल रोक लगे।

ड्रेस खरीदी में मनमानी

ज्ञापन में आगे बताया कि विद्यालयों में पानी की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण रसोइयों को दूर से पानी ढोकर लाना पड़ता है। परिसर में ही पानी के इंतजाम किये जाए। कुछ समूहों द्वारा रसोइयों को सदस्य न होने के आधार पर हटाने की धमकी दी जाती है, जिसे रोकने की अपील की गई है। रसोइयों ने आरोप लगाया है कि उन्हें बाजार से घटिया और महंगी ड्रेस खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, इस भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाए।

प्रशासन से समाधान की उम्मीद

रसोइयों ने चेतावनी दी है कि यदि इन बुनियादी समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया, तो उनके सामने जीवन-यापन का संकट खड़ा हो जाएगा। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इन चार हजार परिवारों की रोजी-रोटी से जुड़ी इन मांगों पर क्या ठोस कदम उठाता है।

नवनिर्मित मंदिर में हुई प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा

विधायक चैन सिंह बरकड़े ने की 2 लाख की घोषणा

नारायणगंज। नारायणगंज के बस स्टैंड स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर परिसर में चार दिवसीय भव्य धार्मिक अनुष्ठान का समापन विशाल भंडारे और मूर्ति स्थापना के साथ हुआ। पीपल के वृक्ष के नीचे नवनिर्मित मंदिर में भगवान हनुमान, शिव जी और शनिदेव की प्रतिमा को विधि-विधान से प्रतिष्ठित किया गया।

अनुष्ठान के दौरान पिछले चार दिनों से कलश यात्रा, भजन-कीर्तन और रामधुन का अनवरत आयोजन चलता रहा। मूर्ति स्थापना पंडित कृष्ण कुमार पांडे श्याम महाराज द्वारा संपन्न कराया गया। इस आध्यात्मिक आयोजन में क्षेत्र के ख्यातिलब्ध गायकों और रामधुन मंडलियों ने रात भर अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया।

विधायक ने दी आर्थिक सहायता-कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे क्षेत्रीय विधायक चैन सिंह बरकड़े ने हवन-पूजन में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर विकास के लिए 2 लाख रुपए की राशि समर्पित करने की घोषणा की। विधायक ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण बताया। बुधवार को नारायणगंज का साप्ताहिक बाजार होने के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग पहुंचे। स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों के विशेष सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। बाजार में आए नागरिकों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते भंडारा देर रात तक चलता रहा, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति और बस स्टैंड के व्यापारियों ने इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य समय और योगदान दिया, जिससे पूरा नगर भक्तिमय नजर आया।

अतिथि शिक्षकों के पास किराए के लिए भी नहीं बचे पैसे

निवास और मोहगांव के शिक्षकों ने कलेक्टर व जनपद सीईओ को सौंपा ज्ञापन

निवास। जिले की शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अतिथि शिक्षक आज स्वयं आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे हैं। मंगलवार को निवास विकासखंड के दर्जनों अतिथि शिक्षकों ने जिला मुख्यालय पहुँचकर अपनी व्यथा सुनाई। अतिथि शिक्षक परिवार के जिलाध्यक्ष पी.डी. खैरवार के नेतृत्व में शिक्षकों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर पिछले 4 माह से लंबित मानदेय के तत्काल भुगतान की मांग की है।

बताया गया कि जनसुनवाई में पहुँचे शिक्षकों ने अपनी स्थिति बताते हुए कहा कि आर्थिक तंगी इस कदर बढ़ गई है कि निवास से मंडला तक आने के लिए उनके पास बस का किराया तक नहीं था। शिक्षकों ने आपस में चंदा इकट्ठा किया, तब कहीं जाकर वे अपनी फरियाद लेकर मुख्यालय पहुँच सके। शिक्षकों ने बताया कि इससे पहले बीईओ निवास को भी आवेदन दिया गया था, लेकिन वहां से केवल आश्वासन ही मिला।

कर्ज के बोझ में दबे शिक्षक

शिक्षकों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि वेतन न मिलने से दैनिक खर्चों, दवाइयों और बच्चों की शिक्षा के लिए शिक्षकों को कर्ज लेना पड़ रहा है। शिक्षकों का आरोप है कि पड़ोसी विकासखंडों और डिंडोरी जिले में भुगतान नियमित हो रहा है, तो फिर केवल निवास विकासखंड के साथ सौतेला व्यवहार क्यों? बार-बार आवेदन देने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

नियमितिकरण की भी उठी मांग

एक ओर जहाँ निवास के शिक्षक मानदेय के लिए जूझ रहे हैं, वहीं मोहगांव के अतिथि शिक्षकों ने नियमितीकरण की लंबित मांग को लेकर जनपद सीईओ को ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी सेवा शर्तों में सुधार और नियमित भुगतान सुनिश्चित नहीं होता, उनका संघर्ष जारी रहेगा।

4 माह का वेतने देने कलेक्टर से की गई मांग

अतिथि शिक्षकों ने कलेक्टर को समस्या बताते हुए मांग की कि बकाया 4 माह का मानदेय तत्काल खाते में डाला जाए। भुगतान के लिए हर महीने की एक निश्चित तिथि तय की जाए। नियमितीकरण की प्रक्रिया को शीघ्र गति दी जाए। इस अवसर पर ओमप्रकाश वरकड़े, राममिलन यादव, बालचंद, वचन सिंह, प्रभात झारिया, प्रभु साहू सहित बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

नर्मदा तट पर पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नारायणगंज में दादू राम सत्यराम महाराज का स्वागत

नारायणगंज। माँ नर्मदा की अनवरत परिक्रमा कर रहे दादू राम सत्यराम महाराज के नारायणगंज आगमन पर पूरा नगर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। जयकारों और पुष्प वर्षा के बीच ग्रामीणों ने महाराज का आत्मीय स्वागत किया। आध्यात्मिक यात्रा के साथ महाराज द्वारा सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश भी दे रहे हैं।

महाराज जी की यात्रा की शुरुआत ग्राम देवगांव से हुई। यहाँ नर्मदा तट पर पीपल और बरगद के पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर पूर्व जिला सदस्य प्यारी बाई गोठारिया, दादा गुलजार एवं पूर्व सरपंच सहित समस्त ग्रामवासियों ने सहभागिता की।

घर-घर स्थापित होंगे शिवलिंग

नर्मदा पथ पर यात्रा के दौरान महाराज जी ने अनूठी पहल करते हुए आदिवासी माताओं और बहनों को अपने-अपने घरों में पूजन हेतु शिवलिंग भेंट किए। नारायणगंज बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर और अन्य प्रमुख स्थलों पर सेवा समितियों ने महाराज जी की अगवानी की। इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा, राजेश सोनी, राकेश अग्रवाल, मृदु साहू, अभय साहू, मनोज मिश्रा, रघुनंदन विश्वकर्मा, विपिन सोनी, सुशांत अग्रवाल, विनोद अग्रवाल सहित बड़ी माई सेवा समिति, माँ नर्मदा शिवनंदन सेवा समिति और हनुमान मंदिर सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया।

समारोह में गाँव की पूर्व सरपंच पूना बाई, राजू सोनी, उमाशंकर जायसवाल एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

अवैध उत्खनन पर प्रकरण दर्ज

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में खनिज विभाग की टीम द्वारा आज ग्राम सिमरिया में जयसिंह राठौर के पक्ष में स्वीकृत उत्खनन पट्टा की जांच की गई। जांच के दौरान स्वीकृत उत्खनन पट्टा क्षेत्र में कई अनियमितताएं पाई गईं। जांच में यह पाया गया कि स्वीकृत उत्खनन क्षेत्र में आवश्यक जानकारी दर्शाने वाला सूचना पटल (बोर्ड) नहीं लगाया गया था। इसके साथ ही खदान की सीमा पर तार फेंसिंग नहीं की गई थी तथा स्वीकृत क्षेत्र की सीमा दर्शाने वाले मुनारे निर्धारित मापदंडों के अनुसार संधारित नहीं पाए गए। इसके अतिरिक्त स्वीकृत क्षेत्र से बाहर अवैध खनन किए जाने का भी मामला सामने आया। इस पर जयसिंह राठौर निवासी ग्राम सिमरिया, तहसील डिंडोरी के विरुद्ध अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज किया गया।

वित्तीय साक्षरता के लिए मोबाइल वैन रवाना

डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के सिखाए जाएंगे गुर

भुआ बिछिया। वित्तीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत आरबीआई के निर्देशानुसार 13 फरवरी तक नागरिकों को बैंकिंग के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सेन्टर बैंक ऑफ इंडिया बिछिया और समर्पित संस्था के सहयोग से एक जन-जागरूकता मोबाइल वैन को रवाना किया गया।

जागरूकता रथ (मोबाइल वैन) को सेन्टर बैंक बिछिया के शाखा प्रबंधक रितेश ठाकुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस वैन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना और सुरक्षित बैंकिंग के प्रति शिक्षित करना है। बताया गया कि बिछिया के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता के लिए वाहन की व्यवस्था की गई। यह मोबाइल वैन बिछिया, घुघरी और मवई जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न गांवों का भ्रमण करेगी।

वैन के माध्यम से ग्रामीणों और बैंक ग्राहकों को जागरूकता से संबंधित जानकारी दी जाएगी। जिसमें ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल लेनदेन के दौरान होने वाली धोखाधड़ी से कैसे बचें। केंद्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण बैंकिंग योजनाओं का लाभ कैसे उठाएं। पिन और ओटीपी की गोपनीयता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया जाएगा।

इनकी रही सक्रिय भूमिका

इस विशेष पहल में सेंटर बैंक बिछिया के समस्त स्टाफ सहित समर्पित संस्था से आस्था सोनी, नरेश गायकवाल, स्वाति सोनी और कमलेश दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्था का लक्ष्य है कि ग्रामीण अंचलों के अंतिम व्यक्ति तक सुरक्षित बैंकिंग का संदेश पहुँचाया जा सके।

इंटरनेट के उपयोग में बरतें सावधानी : कौशिक

सुरक्षित इंटरनेट उपयोग हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिंडोरी, नवभारत 11 फरवरी। मंगलवार को सेफर इंटरनेट डे के अवसर पर स्मार्ट टेक, सेफ च्वॉइस, ई एण्ड प्लोरिंग द सेफ एण्ड रिस्पांसिबल यूज ऑफ एआई थीम के अंतर्गत मेकलसुता महाविद्यालय डिंडौरी में सुरक्षित एवं जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देने हेतु जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सेफर इंटरनेट डे प्रतिवर्ष फरवरी माह के दूसरे मंगलवार को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इंटरनेट के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं सकारात्मक उपयोग के प्रति आमजन, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम का आयोजन जिला एनआईसी के तत्वावधान में किया गया।

साइबर अपराध की दी विस्तृत जानकारी

इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रशांत कौशिक ने साइबर सिक्योरिटी, साइबर वर्ल्ड एवं साइबर अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग तथा डिजिटल सुरक्षा से जुड़े संभावित खतरों से बचने के उपायों के बारे में अवगत कराया और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के लिए आवश्यक सावधानियों पर जोर दिया।

लक्ष्य प्राप्त करने मिशन मोड पर कार्य करें : मरावी

डिंडोरी। आकांक्षी विकासखंड बजाग के अंतर्गत सेक्टर गाड़ासराई और शोभापुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय महत्वपूर्ण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन राम बाबू देवांगन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बजाग के मार्गदर्शन में किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य 'संपूर्णता अभियान 2.0 की विस्तृत जानकारी देना और एकीकृत बाल विकास सेवा के निर्धारित मानकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान परियोजना अधिकारी पुष्पलता मरावी ने कार्यकर्ताओं को कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आकांक्षी ब्लॉक में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति को बेहतर बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आईसीडीएस के 4 प्रमुख इंडिकेटर्स पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मिशन मोड में कार्य किया जाए।

औषधियों के रखरखाव का किया भौतिक सत्यापन

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प मूल्यांकन आयोजित

बजाज, नवभारत 11 फरवरी। आकांक्षी विकासखंड बजाग के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को परखने और उन्हें बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। हाल ही में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), भोपाल के निर्देशानुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरवाही एवं चाड़ा में 'कायाकल्प पीयर फाइनल मूल्यांकन' की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

कायाकल्प अभियान का प्राथमिक उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे मानकों को सुदृढ़ करना है। इसके माध्यम से हितग्राहियों को न केवल उपचार, बल्कि एक सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण वातावरण में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना सुनिश्चित किया जाता है। टीम ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, औषधियों के रखरखाव और मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं का भौतिक सत्यापन किया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जनता का विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

निरीक्षण दल एवं अधिकारी

इस मूल्यांकन प्रक्रिया में विशेषज्ञ टीम के रूप में डॉ. नैंसी पांडे एवं प्रिया प्रजापति उपस्थित रहीं, जिन्होंने बारीकी से अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर धुर्वे, नीति आयोग के प्रतिनिधि डॉ. विकास जैन, मेडिकल ऑफिसर डॉ. अर्जुन विश्वास और डॉ. नयन आवश्या सहित बीपीएम लल्ला यादव उपस्थित रहे।

एनक्यूएएस की ओर बढ़ते कदम

बीएमओ डॉ. चंद्रशेखर धुर्वे ने जानकारी देते हुए बताया कि 'स्वास्थ्य केंद्रों के कायाकल्प की यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। आगामी समय में बजाग ब्लॉक के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों को कायाकल्प और एनक्यूएएस के मानकों पर खरा उतरने के लिए तैयार किया जा रहा है। मूल्यांकन के दौरान नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही।